निवेश प्रबंधन में कॅरिअर के अवसर

डॉ. संजय तिवारी

म्यूचुअल फंड स्टॉक मार्केट के माध्यम से निवेश का एक महत्वपूर्ण घटक है. जो कंपनियां या संगठन इस प्रकार के निवेश को सुसाध्य बनाती हैं, वे परिसम्पत्ति प्रबंधन कंपनियों (ए.एम.सी.) के रूप मे जानी जाती हैं. ये ए.एम.सी. निवेशकों द्वारा किए गए निवेश के लिए जिम्मेदार होती हैं और म्यूचुअल फंड (एम.एफ.) एजेंट निवेशकों की बड़ी संख्या को निवेश के विकल्पों की जानकारी देने के लिए मुख्य कड़ी होते हैं. एम.एफ. एजेंटों, वितरकों, म्यूचुअल फंड विपणन का कार्य देखने वाले बैंक कर्मचारियों को निधि–सलाहकारों की सूचना देना होती है. एम.एफ. क्षेत्र में उपलब्ध कॅरिअर के पदों का विवरण निम्नलिखित है :–

निधि प्रबंधक वे व्यक्ति या विशेषज्ञ होते हैं जो किसी भी ए.एम.सी. के प्रबंधन वाली परिसम्पत्ति जिसमें इक्विटी एवं ऋण बाजार में निवेश की बड़ी राशि का योगदान होता है, के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार होते हैं. वे न केवल निवेश का प्रबंधन करते हैं बल्कि वे अपने ग्राहकों– जो सांस्थानिक या वैयक्तिक हो सकते हैं, को सलाह भी देते हैं. बाजार मुनाफे को मार्ग पर लाने तथा अपने उन ग्राहकों को अच्छा मुनाफा दिलाने के लिए जिम्मेदार होते हैं जिन्होंने उनकी विशेषज्ञता में विश्वास दर्शाया है. इसके साथ–साथ वे संतुलित निवेश निर्णयों के लिए अपना पूंजीगत ढांचा अर्थात ऋण–इक्विटी मिक्स बदलते रहते हैं. निधि–प्रबंधक बनने के लिए मानदंड वित्त में एम.बी.ए. जैसी व्यावसायिक डिग्री पर निर्भर होता है और म्यूचुअल फंड जोखिम–मुनाफा विश्लेषण में अभिरुचि होना और महत्वपूर्ण होता है.

वितरक ए.एम.सी. द्वारा नियुक्त किए जाते हैं, जो निवेशकों को पर्याप्त रूप में जानकारी देते हैं. वितरण वर्ग में व्यक्ति सब से बड़ा अंश होते हैं. वे विपणन वितरण कड़ियों का रोल निभाते हैं और कुछ निधियों के क्रय के लिए व्यक्तियों को सहायता करते हैं.

लीड प्रबंधक वे कार्यकर्ता होते हैं जो बिचौलियों से समन्वय करते हैं, योजनाओं के लिए अभियान चलाते हैं तथा संभावित निवेशकों से सम्पर्क करते हैं. जोखिम–मुनाफा संकल्पना का ज्ञान तथा व्यावहारिक कौशल रखने वाले विशेषज्ञ व्यवसायियों को ये संगठन कार्य पर रखते हैं.

डीलर व्यापार को निष्पादित करते हैं तथा निवेशकों और इक्विटी/ऋण बाजारों के बीच बिचौलियों के रूप में कार्य करते हैं. डीलरों को विक्रय और क्रय की सभी औपचारिकताओं का पालन करना होता है. वित्तीय पृष्ठभूमि, स्टॉक मार्केट कार्यों की व्यापक जानकारी, अभिव्यक्ति कौशल तथा कुशाग्र बुद्धि वाला कोई भी व्यक्ति डीलर बन सकता है.

स्टॉक मार्केट में कॅरिअर से जुड़े कार्य

स्टॉक मार्केट तथा इसके कार्यों में कुछ अन्य पद उपलब्ध होते हैं. इन्हें निधि लेखाकरण वर्ग, कस्टडी समूह, वित्त नियंत्रण समूह और एम.आई.एस. तथा लेखा–परीक्षा समूह में वर्गीकृत किया जा सकता है.

निधि लेखाकरण समूह निधियों का दैनिक आधार पर निवल परिसम्पत्ति मूल्य परिकलित करता है और बहियों का रखरखाव करता है. कस्टडी समूह ए.एम.सी. द्वारा नियुक्त कस्टोडियन्स के साथ सम्पर्क बनाता है. म्यूचुअल फंड प्रतिभूतियों का बड़ी मात्रा में क्रय–विक्रय करता है. नियुक्त किए गए कस्टोडियन इन फंड्स की सुरक्षा तथा तत्काल उपलब्धता को सुनिश्चित करते हैं. इसलिए इन दैनिक कार्यों को करने के लिए लोगों की आवश्यकता होती है. इन कार्यों के लिए कौशल, अभिरुचि तथा व्यावसायिक योग्यताएं वांछित होती हैं.

रजिस्ट्रार एवं ट्रांसफर एजेंट आवेदनपत्रों पर कार्रवाई करते हैं और यूनिट–धारियों को सिक्यूरिटी तथा एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया द्वारा निर्धारित समय–सीमा के अंदर यूनिट प्रमाणपत्र भेजते हैं.

नियामक निकायों, रेटिंग एजेंसियों तथा डिपोजिटरीज़ से जुड़े कॅरिअर

पूंजी–बाजार को विनियमित करने के लिए सेबी (सिक्यूरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया) की स्थापना 1992 में की गई थी. स्टॉक मार्केट, म्यूचुअल फंड्स तथा डेरिवेटिव के नियामक के रूप में इस निकाय ने अपने व्यवसाय तथा कार्य का विस्तार किया है, जिसके लिए विविध पृष्ठभूमि वित्त, लेखाकरण, लेखा–परीक्षण, निवेश, क्रेडिट रेटिंग, परामर्श, म्यूचुअल फंड्स, विधि, डेरिवेटिव प्रोडक्ट्स आदि का ज्ञान रखने वाले व्यवसायियों की आवश्यकता होती है. भारत में बीमा व्यवसाय के नियामक के रूप में आई.आर.डी.ए. को अपने बीमा प्रोडक्ट्स के निवेश के व्यापक विश्लेषण पर आधारित अपने बहुमूल्य परामर्श के लिए कुछ निवेश विशेषज्ञों की आवश्यकता होती है. बीमा क्षेत्र के आरंभ होने के साथ ही कुछ निजी एवं विदेशी संस्थाएं भारतीय बीमा क्षेत्र में आ गई हैं और ये संस्थाएं भी निवेश प्रबंधन व्यवसाय से जुड़े व्यवसायियों को पर्याप्त अवसर देती हैं. इसी तरह, वैयक्तिक निवेशकों को, वित्तीय घटकों की संबंधित रेटिंग्स पर आधारित इक्विटी एवं ऋण से जुड़े उनके निवेश पर परामर्श देने के लिए विभिन्न क्रेडिट रेटिंग एजेंसियां जैसे सी.आर. आई.एस.आई.एल., केयर, आई.सी.आर.ए बनाई गई हैं, जिन्हें हमेशा निवेश विश्लेषण, जैसे क्रेडिट विश्लेषण, रेटिंग विश्लेषण, उद्योग विश्लेषण, पोर्टफोलियो विश्लेषण, आर्थिक विश्लेषण आदि के लिए व्यवसायियों की आवश्यकता होती है. सी.आर.आई.एस.आई.एल ने वित्तीय योजना जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रम प्रारंभ किए हैं.

डिपोजिटरीज़ में कॅरिअर

डिपोजिटरीज़ वे संगठन होते हैं जो वित्तीय प्रतिभूतियों की रिकॉर्डिंग, रखरखाव, अधिप्रमाणन तथा उनके सरल व्यापार को सुसाध्य बनाने के लिए जिम्मेदार होते हैं. ये संगठन क्लीयरिंग हाउस के रूप में भी कार्य करते हैं और डी. एम.ए.टी. लेखा तथा लेन–देन निपटान से संबंधित सेवाएं प्रदान करते हैं. भारत में कार्यरत कुछ डिपोजिटरी संगठन निम्नलिखित हैं :– नेशनल सिक्यूरिटी डिपोजिटरीज़ लिमिटेड (एन.एस.डी. एल.), सेंट्रल डिपोजिटरीज़ सर्विसेज लिमिटेड (सी.डी.एस.एल.), तथा स्टॉक होल्डिंग कार्पोरेशन ऑफ इंडिया (एस.एच.सी.आई.एल.). इन डिपोजिटरीज़ के व्यवसाय कार्य चलाने के लिए प्रतिष्ठित संस्थानों/विश्वविद्यालयों से सी.ए./आई.सी.डब्ल्यू.ए./सी.एस./सी.एफ.ए/ एम.बी.ए. होने के साथ स्टॉक एक्सचेंज, कस्टोडियन्स, ब्रोक्रेज फर्मों, बैंकों तथा वित्तीय सेवा कंपनियों में कुछ अनुभव रखने वाले व्यक्तियों की आवश्यकता होती है.

अनुसंधान तथा परामर्श

निवेश फर्मों तथा संस्थाओं में, उनके अनुसंधान तथा परामर्श विभागों में रखे गए व्यवसायियों की संख्या में भिन्नता होती है. इक्विटी अनुसंधान एक व्यक्ति की ईकाई हो सकती है या यह एक ऐसा विभाग हो सकता है जिसमें विविध विषयों से लिए गए व्यवसायियों की एक टीम हो सकती है. म्यूचुअल फंड्स, सांस्थानिक निवेशक, ब्रोकिंग संस्थाएं, अनुसंधान विशेषज्ञों को रखते हैं. प्रिंट तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया भी स्टॉक निवेश तथा वोलेटिलिटी पर व्यवसायियों को विशेषज्ञ सलाह देने के अवसर देता है.

निवेश प्रबंधन में कॅरिअर बनाने के लिए निम्नलिखित शैक्षिक तथा व्यक्तिगत पूर्वापेक्षा होना अनिवार्य होता है :–

- निवेश प्रबंधन/स्टॉक मार्केट कार्यों डिग्री/डिप्लोमा/पाठ्यक्रम.
- वित्त, व्यवसाय, गणित, लेखाकरण, अर्थशास्त्र, कम्प्यूटर का ज्ञान.
- प्रत्याशित स्तर की विश्लेषण क्षमता और अभिव्यक्ति कौशल.
- निवेश बाजार के प्रति कुशाग्र बुद्धि, रुचि और सम्मान.
- वित्तीय संस्थाओं, कर, वित्तीय योजना, पूंजी बाजार के विधि–संबंधी पहलुओं का ज्ञान.
- व्यापक विश्लेषण पर आधारित निर्णय लेने के लिए सर्जनशील क्षमता.
- नवीनतम विकास जानने की जिज्ञासा और अनोखी विशेषता तथा धैर्य.

निवेश प्रबंधन पर कार्यक्रम/पाठ्यक्रम चलाने वाली कुछ संस्थाएं निम्नलिखित हैं :–
कार्यक्रम/पाठ्यक्रम का नाम : एम.बी.ए/ पी.जी.डी.एम./पी.जी.डी.बी.ए. तथा वित्तीय विशेषज्ञता.
संस्थाएं/विश्वविद्यालय : विभिन्न आई.आई.एम., विश्वविद्यालय (केन्द्रीय एवं राज्य)/संस्थाएं.
अवधि : दो वर्ष.
पात्रता : 50ः अंकों के साथ स्नातक एवं विश्वविद्यालयों द्वारा संचालित कैट/मैट/परीक्षा में वैध अंक.
पता : संबंधित संस्थाओं की वेबसाइट.
कार्यक्रम/पाठ्यक्रम का नाम

स्टॉक मार्केट कार्यों, सर्विलेंस, डीलर, डेरिवेटिव्ज़, करेंसी डेरिवेटिव्ज़, निवेश विश्लेषण तथा पोर्टफोलियो प्रबंधन, डिपोजिटरी कार्य आदि पर पाठयक्रम एवं एन.सी.एफ.एम. मॉड्यूल.
संस्थाएं/विश्वविद्यालय : नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया, मुंबई.
अवधि : पाठ्यक्रम/मॉड्यूल के आधार पर.
पात्रता : पाठ्यक्रम/मॉड्यूल के आधार पर.
पता : nse-india.org
कार्यक्रम/पाठ्यक्रम का नाम :
पूंजी–बाजार तथा वित्तीय सेवा में स्नातकोत्तर सदस्यता पाठ्यक्रम.
संस्थाएं/विश्वविद्यालय : भारतीय कंपनी सचिव संस्थान, नई दिल्ली.
पता : भारतीय कंपनी सचिव संस्थान, नई दिल्ली.

इस लेख में आए शब्दों का अर्थ :

निवेश : यह वह राशि होती है जो जोखिम के दिए गए किसी स्तर पर मुनाफा कमाने के लिए किन्हीं वित्तीय परिसम्पत्तियों जैसे इक्विटी एवं ऋण पर लगाई जाती है.
निवेश प्रबंधन : यह निवेश पर जोखिम तथा मुनाफे का विश्लेषिक तकनीकों के विश्लेषण करने का अध्ययन होता है.
क्रेडिट रेटिंग : जोखिम के आधार पर वित्तीय परिसम्पत्तियों को ग्रेड के संबंध में दिए गए संबंधित निष्पादन. क्रेडिट रेटिंग एजेंसियां अपनी सुरक्षा पर साधनों (इंस्ट्रूमेंट्स) की रेंटिग के लिए कुछ मानदण्ड निर्धारित करती हैं और निवेशकों को तद्नुसार परामर्श देती हैं.
जोखिम : वित्तीय परिसम्पत्तियों में निवेश से मुनाफा प्राप्त करने की संभावना.
उद्योग विश्लेषण :
कुछ मानदण्डों पर आधारित उद्योग के कार्य–निष्पादन का मूल्यांकन.
पोर्टफोलियों प्रबंधन : किसी प्रतिभूति समूह के जोखिम मुनाफा पोर्टफोलियो का विश्लेषण करना. यह विश्लेषण जोखिम को न्यूनतम स्तर पर लाने और अन्य प्रतिभूतियों पर इसके प्रभाव को समाप्त करने के लिए किया जाता है.
ई.टी.एफ. : इसका अर्थ है एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स एक ऐसा लोकप्रिय वित्तीय घटक जिसका व्यापार स्टॉक एक्सचेंज के माध्यम से किया जाता है. गोल्ड ई.टी.एफ. ऐसे साधन होते हैं जिनका मूल्य स्वर्ण–मूल्य पर निर्भर होता है और जिनका व्यापार एक्सचेंज के माध्यम से आसानी से किया जा सकता है.

(समाप्त)

*(लेखक केन्द्रीय हरियाणा विश्वविद्यालय, महेन्द्रगढ़ में एसोशिएट प्रोफेसर (प्रबंधन) हैं. ई–मेल : **stiwarigju@refiffmail.com**)*